Title: Need to bring legislation for the creation of Uttranchal State.

श्री बची सिंह रावत ठबचदा' (अल्मोड़ा) : सभापति जी, उत्तरांचल राज्य का गठन करने वाले विधेयक को संसद के इसी सत्र में प्रस्तुत किया जाए, इस आशय का नोटिस मैंने दिया है। मेरा निवेदन करना यह है कि उत्तरांचल आंदोलन में १ सितम्बर, १९९४ को पहली शहादत ऊधमसिंह नगर के खटीमा नामक स्थान पर सरदार परमजीत सिंह द्वारा दी गई। उसके बाद कम से कम ४० लोग इस आंदोलन में शहीद हो चुके हैं। समाचार पत्रों में यह समाचार आया था कि इस सत्र में यह विधेयक नहीं आ पाएगा। इस कारण उत्तरांचल में भारी जनआंदोलन फिर से खड़ा हो गया है। जिस तरीके से छत्तीसगढ़ और वनांचल राज्यों के सम्बन्ध में मूल रूप से विधेयक प्रस्तुत करने के लिए तैयार किया जा रहा है, उसी तरीके से उत्तरांचल राज्य के सम्बन्ध में जो ड़ाफ्ट बिल उत्तर प्रदेश सरकार को भेजा गया था उसको मूल रूप से प्रस्तुत किया जाए और संशोधनों पर किसी प्रकार का विचार नहीं किया जाए। यदि यह विधेयक इस सत्र में नहीं लाया गया तो पुनः हमारे क्षेत्र में व्यापक जनआंदोलन हो सकता है। इसलिए जनहित, राष्ट्रीय एजेंडा और सरकार द्वारा किए गए कमिटमेंट को देखते हुए मैं सरकार से निवेदन करना चाहता हूं कि इस सत्र के केवल छः दिन बचे हैं इसलिए इस दौरान इस विधेयक को निश्चितरूप से लाया जाए।